No. of Printed Pages : 6

BPYE-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

---

1. Explain in detail the various traditional proofs presented for the existence of God. *20*

OR

Discuss a few arguments for and against atheism and agnosticism. *20*

2. What is the position of God in the dualist philosophy of Descartes ? How does he prove the existence of God ? *20*

OR

What are the various conditions that promote or hinder religious pluralism ? Explain various philosophical positions on religious pluralism. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Write a short essay on the socio-political understanding on the origin of religion. *10*

(b) Discuss a few traditional arguments for the eternity of God. *10*

(c) Explain religious experience as the internal aspect of religion. *10*

(d) What is Religious Fundamentalism ? Explain various factors that contribute to its growth and spread. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Briefly write about Rudolf Otto's notion on the experience of the Holy. *5*

(b) Describe John Duns Scotus' position on the existence of God. *5*

(c) Describe religious toleration. *5*

(d) What are the sacred functions of religious language ? *5*

(e) Are theological statements testable ? *5*

(f) What is the epistemological aspect of the experience of the Holy ? *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a)	Numinous	*4*
(b)	Mana	*4*
(c)	Immutability	*4*
(d)	Sacred Words	*4*
(e)	Myth	*4*
(f)	The "Wholly Other"	*4*
(g)	Post-modern Religion	*4*
(h)	Metanarrative	*4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म-दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :** सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

1. ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने हेतु प्रस्तुत विभिन्न शास्त्रीय तर्कों की विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

निरीश्वरवाद एवं अज्ञेयवाद के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ तर्कों पर चर्चा कीजिए । *20*

2. देकार्त के द्वैतवादी दर्शन में ईश्वर की क्या स्थिति है ? वह ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं ? *20*

अथवा

धार्मिक बहुलतावाद को प्रेषित करने वाली अथवा बाधित करने वाली विभिन्न स्थितियाँ कौन-सी हैं ? धार्मिक बहुलतावाद सम्बन्धी विभिन्न दार्शनिक स्थितियों की व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी सामाजिक-राजनीतिक समझ पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए । *10*

(ख) ईश्वर की शाश्वतता के पक्ष में प्रस्तुत कुछ परम्परागत तर्कों पर चर्चा कीजिए । *10*

(ग) धर्म के आन्तरिक पक्ष के रूप में धार्मिक अनुभव की व्याख्या कीजिए । *10*

(घ) धार्मिक कट्टरवाद क्या है ? इसकी वृद्धि एवं विस्तार में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) रूडोल्फ ऑटो के पवित्र (Holy) के अनुभव की अवधारणा के बारे में संक्षेप में लिखिए । *5*

(ख) जॉन डन्स स्कॉटस की ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी स्थिति (विचार) का वर्णन कीजिए । *5*

(ग) धार्मिक सहिष्णुता का वर्णन कीजिए । *5*

(घ) धार्मिक भाषा के पवित्र कार्य क्या हैं ? *5*

(ङ) क्या धर्मशास्त्रीय (धार्मिक) कथनों को सत्यापित किया जा सकता है ? *5*

(च) पवित्र के अनुभव का ज्ञानमीमांसीय पक्ष क्या है ? *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दिव्य *4*

(ख) माना *4*

(ग) अपरिवर्त्यता *4*

(घ) पवित्र शब्द *4*

(ङ) मिथक *4*

(च) पूर्णत: अन्य (The "Wholly Other") *4*

(छ) उत्तर-आधुनिक धर्म *4*

(ज) मेटानैरेटिव *4*